शरन रानी

सरोद वादक

नई दिल्ली

दिनांक : 19 मार्च, 2006

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि "**लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी**" 15 व 16 अप्रैल, 2006 को अपना चतुर्थ वार्षिकोत्सव आयोजित करने जा रही है। इस आयोजन हेतु मैं अकादमी को व इससे जुड़े हर घटक को अगणित बधाई व शुभाशीष दे रही हूँ।

"लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी" संगीत के उत्थान के लिये निरंतर प्रयासरत व प्रयत्नशील है, यह बहुत सुखद है। यह संस्था भारतीय शास्त्रीय संगीत की सेवा करती रहे यह मेरी कामना है।

शुभाशीष

(गुरु. डॉ. शरन रानी)